केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 165 बुधवार 8 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कई कमिश्नर समेत 11 आईएएस अफसरों के तबादला

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार ने मंगलवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल कर दिया है। कई मंडलों के कमिश्नर समेत 11 वरिष्ठ आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया गया है। आजमगढ़, विंध्याचल, चित्रकूट और कानपुर के कमिश्नर इसके दायरे में आए हैं। इसके साथ ही कई प्रमुख सचिवों की जिम्मेदारियों में भी फेरबदल किया गया है। दो दिन पहले ही प्रमोशन पाने वाले आईएएस अफसरों को नई जिम्मेदारियां दी गई थीं। इनमें कई आईएएस के पर भी कतरे गए थे। सीएम योगी के सबसे खास अफसर संजय प्रसाद को दोबारा प्रमुख सचिव गृह बनाया गया था। आलोक कुमार द्वितीय से प्रमुख सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग की जिम्मेदारी ले ली गई है। इसी तरह श्रीमती लीना जौहरी से प्रमुख सचिव सचिव, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग का प्रभार ले लिया गया है। कानपुर के कमिश्नर अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग के साथ ही महानिरीक्षक निबंधन की जिम्मेदारी दे दी गई है। आजमगढ़ के कमिश्नर मनीष चौहान अब प्रमुख सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। गृह विभाग में सचिव विवेक को आजमगढ़ का कमिश्नर बनाया गया है। विन्ध्याचल मंडल के कमिश्नर डा0 मृत्युकुमारस्वामी बी अब वित्त विभाग में सचिव होंगे। चित्रकूट मंडल के कमिश्नर बाल कृष्ण त्रिपाठी को विंध्याचल का कमिश्नर बनाया गया है। कृषि विभाग में सचिव अजीत कुमार को चित्रकूट मंडल के कमिश्नर बनाए गए हैं। उद्योग विभाग के आयुक्त एवं निदेशक श्री के0 विजयेन्द्र पांडियन के पास कानपुर मंडल के कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। डा0 रूपेश कुमार अभी तक महानिरीक्षक निबंधन के साथ ही प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड और प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड थे। इनसे महानिरीक्षण निबंधन का कार्यभार ले लिया गया है। सचिव नरेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को सचिव, नियोजन विभाग और महानिदेशक अर्थ एवं संख्या की जिम्मेदारी दी गई है।

ठंड के कारण माध्यमिक विद्यालयों के समय में किया गया बदलाव

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में भीषण ठंड के कारण माध्यमिक विद्यालयों के समय में बदलाव किया गया है। सुबह और शाम के समय में आधे घंटे कम किए गए हैं। अब सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक विद्यालय चलेंगे। शिक्षा निदेशक डॉ महेंद्र देव द्वारा जारी लेटर में कहा गया कि प्रदेश में अत्यधिक ठंड व शीतलहर को देखते हुए मकर संक्रान्ति पर्व तक समस्त बोर्ड के माध्यमिक विद्यालयों की कक्षाओं के समय में बदलाव किया जा रहा है।

अभी तक कक्षाएं सुबह 09:30 बजे से अपराह्न 03:30 बजे तक चलती थीं। अब सुबह 10:00 बजे से अपराह्न 03:00 बजे तक चलेंगी। सभी विद्यालयों को इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करने के लिए कहा गया है।

सड़क की पटरियों पर लाल निशान देख व्यापारियों में हड़कंप

संवाददाता–बस्ती। जाम से कराह रहे हृदय स्थली गांधीनगर से अतिक्रमण हटाओ अभियान से पहले लाल निशान लगा चिह्नांकन शुरू कर दिया गया है। इससे शहर के अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है। बताया गया कि रेड दायरे में ही अब दुकानदारों को रहना होगा। यदि, उससे बाहर आने की गुस्ताखी की तो जुर्माना कटेगा। यह पहल नगर पालिका ने जाम से छुटकारा दिलाने के लिए की है। नगर पालिका प्रशासन की संयुक्त प्रयास से शहर को जाम से मुक्त बनाने के लिए पहले चरण में गांधीनगर मुख्य बाजार में रेड जोन एरिया बनाने की शुरूआत की गई है। गांधीनगर मार्ग के दोनों पटरियों पर सीमा रेखा तय करते हुए रेड निशान की पट्टी खींच रहे और व्यापारियों व वाहन चालकों तथा पटरी कारोबारियों को हिदायत दी जा रही है कि रेड जोन में ही समान रखें। उससे बाहर आने पर कार्रवाई होगी। दरियाखां मोड़ से लेकर जनता होटल मोड़ तक अभी रेड जोन बनाया गया है।इस जोन के जरिये अतिक्रमणकारियों पर सख्ती करने की शुरूआत की गई है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव का ऐलान, 5 फरवरी को होगा मतदान, 8 को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली (आभा)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आज चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली में एक चरण में वोट डाले जाएंगे। दिल्ली में वोट डालने की तारीख 5 फरवरी होगी जबकि नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में आचार संहिता लागू हो गई है। दिल्ली में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच है। हालांकि कांग्रेस भी पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में उतरने जा रही है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और नए सदन के गठन के लिए उससे पहले चुनाव होने हैं। दिल्ली में पारंपरिक रूप से एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होते रहे हैं। भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रही सत्तारूढ़ आप की नजर हैट्रिक पर होगी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने 2015 और 2020 के चुनावों में क्रमशः 67 और 62 सीटों के साथ जीत हासिल की।

पिछले दो चुनावों में केवल एक अंक तक सिमट गई भाजपा 26 साल के अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। कभी 15 साल तक दिल्ली पर शासन करने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए आप के साथ गठबंधन करने के बाद अकेले चुनाव लड़ेगी। 2025 के पहले चुनाव को तीनों पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा है। पिछले साल, केजरीवाल ने शराब नीति मामले में जमानत के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि जब दिल्ली के लोग उन पर भरोसा जताएंगे तो वह दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। इस बार, पार्टी सत्ता विरोधी लहर और अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए महिलाओं और बुजुर्गों को लक्ष्य करते हुए कई कल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा कर रही है।

17 सूत्रीय मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने सौंपा ज्ञापन

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

बस्ती । भारतीय किसान यूनियन द्वारा जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के नेतृत्व में 17 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। मांग पत्र में फसलों पर एमएसपी देना सुनिश्चित किया जायं, गन्ने का मूल्य 500 रूपये पति क्विंटल घोषित करने, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की सभी मांगे पूरी करने, किसानों की ऋणमाफी करने, मुफत बिजली देने, सहकारी खेती अधिनियम लागू करने, अंधाधुंध भूमि अधिग्रहण रोकने, कार्पोरेट विभाजनकारी नीतियों को समाप्त करने, सुगर केन कन्ट्रोल आर्डर खत्म करने, केन्द्र सरकार के एग्रीकल्चर मार्केट पालिसी को रद्द करने, धरना प्रदर्शन में किसानों पर लगे मुकदमों को वापस लेने, सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों की सफाई कराने, मुण्डेरवा चीनी मिल से निकलने वाली राख के उचित निस्तारण करने, गोविन्द नगर चीनी मिल का बकाया गन्ना भुगतान दिलाने, गनेशपुर में चल रहे अनिमित खनन को रोकने एवे बन्दर, जंगली जानवारों से किसानों की फसलों को बचाने की मांग की गई। ज्ञापन सौंपते हुए अनूप कुमार चौधरी, शोभाराम, जयराम वर्मा, दीवान चन्द्र पटेल, जगदीश प्रसाद, रमेश चौधरी, राम चन्द्र सिंह, रामपाल सिंह, राम दास, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, विनोद कुमार, तिलकराम, ब्रह्मदेव चौधरी, दीप नारायन, राम प्रताप, कन्हैया किसान, त्रिवेणी चौधरी के साथ ही अन्य लोग मौजूद रहे।

अपनी जनता पार्टी के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अवधेश मौर्य का कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

कुदरहा, बस्ती। अपनी जनता पार्टी (श्रब्) के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष का घघौवा से फुटहिया चौराहे तक फूलमाला व गाजा बाजा के साथ स्वागत कर प्रेस क्लब में अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीराम मौर्य ने कहा कि देश व प्रदेश की तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकना है। इसके लिए सभी को संगठित रहना है। पार्टी का मुख्य उद्देश्य पीडीए का विकास और उनकी समस्याओं का निराकरण करना है। उन्होंने कहा कि पार्टी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से लेकर सभी चुनाव दमदारी से लड़ेगी और 2027 में उत्तर प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव भी लड़ाएगा। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अवधेश मौर्य ने उपास्थित कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के नीति और सिद्धांतों के साथ ही पीडीए के लोगों की समस्याओं का समाधान संभव है। सभी को एक साथ रहने की जरूरत है। प्रत्येक कार्यकर्ता के साथ मेरा सम्मान व स्वाभिमान जुड़ा है। जहां भी हमारी जरूरत पड़े तो हमे अवगत कराएं। आप के साथ कदम मे कदम मिला कर चलने को तैयार है। कार्यक्रम का संचालन मंडल प्रभारी सालिक राम मौर्य और अध्यक्षता मंडल संरक्षक रामचंद्र ने किया।

झोलाछाप ने बच्चेदानी के गांठ का किया ऑपरेशन, काट दी मूत्रनली

संवाददाता–बस्ती। कुदरहा क्षेत्र में एक झोलाछाप ने महिला को गुमराह करते हुए बच्चेदानी में गांठ का ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के दौरान यूरिन नली काट दी, इससे महिला को यूरिन में परेशानी हो रही। महिला का आरोप है कि यूरिन नहीं रूकता, कभी भी उतर जा रहा। शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंडोहिया चकिया थाना लालगंज की गुड़िया ने लालगंज थानाध्यक्ष को तहरीर देकर कहा है कि पेट में दर्द हुआ तो कुदरहा स्थित हॉस्पिटल में गई। यहां जांच हुई तो डॉक्टर ने बोला बच्चेदानी में गांठ बन रहा है। ऑपरेशन करे ठीक कर देंगे। पीड़िता को भरोसा दिया कि इस प्रकार के ऑपरेशन यहां कर चुके हैं। भर्ती करके ऑपरेशन किया। बाद में पता चला कि ये लोग ऑपरेशन नहीं कर पाते और इस ऑपरेशन के जरिये सीख रहे थे। नया हॉस्पिटल था। न कोई डिग्री न ही पंजीयन, फिर भी पर्चे छपवा कर सेवा देने की बात कही गई थी। बताया कि ऑपरेशन के दौरान लापरवाही से पेट में अंदर से दो जगह यूरिन नश काट दी। अब पेशाब कंट्रोल में नहीं रहता। हॉस्पिटल में गए और शिकायत किए तो वहां धमकी देकर भगा दिया। छानबीन शुरू की तो पता चला कि अब वह अस्पताल क्षेत्र में नहीं है। पीड़ित का कहना है कि बोर्ड हटा कर बचाव के लिए दूसरे नाम से पंजीकरण करा लिया गया है। आरोप है कि रसूख के बल पर कार्रवाई नहीं हो रही। पुलिस और विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की मिलीभगत से न्याय नहीं मिल रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

बस्ती। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिये डिस्ट्रिक्ट रोड सेफ्टी एक्शन प्लान बनाकर सड़क एक्सीडेंट रोकने के प्रयास किये जायें। उन्होने यह भी कहा कि गतवर्ष की तुलना में रोड दुर्घटना में हरहाल में 50 प्रतिशत तक कमी लाये जाने के प्रयास किए जाय। उन्होने बताया कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत 31 जनवरी तक विशेष अभियान चलाया जायेंगा। इस हेतु उन्होने संबंधित विभागों को कार्ययोजना तय कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है। उन्होने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्कूली वाहनों का सम्भागिय निरीक्षक (प्राविधिक) द्वारा निरीक्षणध फिटनेस करायें, बड़े वाहन डिलरों से समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा सम्बन्धी होर्डिंग एवं बैनर लगवाया जाय एवं प्रचार वाहन के माध्यम से सड़क सुरक्षा सम्बन्धी गीत एवं पैम्पलेट का वितरण कराया जाय तथा दो पहिया एवं चार पहिया चालकों द्वारा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, मोडिफाइड साइलेंसर, ड्रंकन ड्राइविंग, ओवरलोड

एवं बिना रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप के संचालित वाहनों के विरूद्ध चेकिंग एवं कार्यवाही किया जाय तथा विभिन्न चौराहों पर सडक सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाय। उन्होने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समस्त विद्यालयों से समन्वय स्थापित करते हुए सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रतियोगिताए (भाषण, क्विज एवं पोस्टर) आदि कराया जाय तथा विजेता प्रतिभागियों की सूची उनके बैंक खाता विवरण सहित परिवहन विभाग को उपलब्ध कराये, जिससे परिवहन विभाग समारोह का आयोजन कर विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र तथा पुरस्कार की धनराशि उपलब्ध करा सकें। उन्होने कहा कि जनपद के 04 माध्यमिक विद्यालयों में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी कार्यशाला का आयोजन किया जाय तथा दिनांक 23 जनवरी को सुभाष चन्द्र बोस जी की जयन्ती पर मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाय, जिसमें अधिक से अधिक विद्यालयों के छात्रछात्राओं को सम्मलित किया जाय। जनपद के प्रत्येक विद्यालय में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी शपथ दिलाया जाय। ऐसे विद्यालय जिनमें छात्रछात्राओं के परिवहन हेतु विद्यालय वाहनों का प्रयोग किया जाता है, में विद्यालय परिवहन यान समिति की बैठक कराया जाय। उन्होने चिकित्सा विभाग व परिवहन निगम को निर्देशित किया है कि समन्वय स्थापित कर सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत परिवहन कार्यालय एवं रोडवेज बस अड्डा पर नेत्र शिविर का आयोजन किया जाय। उन्होने गन्ना विभाग को निर्देशित किया है कि प्रत्येक चीनी मिलों में संचालित वाहनों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप एवं लाल कपड़ा लगवाया जाय एवं क्षमता से अधिक भार लादने वाले वाहनों को प्रतिबन्धित किया जाय। सूचना विभाग को निर्देशित किया है कि सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रचार–प्रसार हेतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से विज्ञापन कराया जाय तथा जनपद के विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगवाया जाय। उन्होने पुलिस विभाग को निर्देशित किया है कि दो पहिया एवं चार पहिया चालकों द्वारा बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, ओवरस्पीडिंग, मोडिफाइड साइलेंसर, ड्रंकन ड्राइविंग, ओवरलोड एवं बिना रेट्रो–रिफ्लेक्टिव टेप के संचालित वाहनों के विरूद्ध चेकिंग एवं कार्यवाही किया जाय तथा विभिन्न चौराहों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जाय। एन०एच०ए०आई०धी० डब्लू०डी० विभाग को निर्देशित किया है कि ब्लैक स्पाड एवं सड़क बनावट में गड़बडी एवं शिकायतों पर तत्वरित कार्यवाही कर उन्हें सही कराया जाय तथा रोड साइनेज एवं रम्बलस्ट्रिप आदि लगाया जाय।

बैठक का संचालन एआरटीओ पंकज कुमार ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सी.एस., एडीएम प्रतिपाल सिंह चौहान, सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती, बीएसए अनूप तिवारी, क्षेत्राधिकारी पुलिस सत्येन्द्रभूषण तिवारी, एनएचआई के प्रतिनिधि व जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

उम्मीद है आयोग दिल्ली में चुनाव को सांप्रदायिकता से दूषित होने से बचाएगा – मायावती

लखनऊ (आभा)। बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत किया और उम्मीद जतायी कि निर्वाचन आयोग सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही चुनाव को "साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार" से दूषित होने से बचाएगा। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया, "दिल्ली विधानसभा चुनाव आगामी पांच फरवरी 2025 को एक चरण में होगा। निर्वाचनआयोग द्वारा इस बारे में की गयी घोषणा का स्वागत।"

उन्होंने कहा कि बसपा यह चुनाव अपनी पूरी तैयारी व दमदारी के साथ अकेले अपने बलबूते पर लड़ रही है। उम्मीद है कि पार्टी इस चुनाव में जरूर बेहतर प्रदर्शन करेगी। मायावती ने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, "चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ है और बाहुबल व धनबल से दूर रहने वाली गरीबों–मजलूमों की पार्टी बसपा आयोग से यह उम्मीद रखती है कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के क्रम में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से चुनाव को दूषित होने से बचाएगा।'

बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पोस्ट में मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि 'वे किसी पार्टी के लुभावने वादे के बहकावे में ना आकर अपने वोट का पूरी समझदारी से इस्तेमाल करके जनहित एवं जनकल्याण को समर्पित बसपा के उम्मीदवारों को ही वोट करें, यही अपील। इसी में ही जन व देशहित निहित एवं सुरक्षित है।

सपा की मासिक बैठक में मतदाता पुनरिक्षण पर जोर

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

बस्ती । समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को चलाये जाने पर चर्चा हुई। आगामी पीडीए कार्यक्रम को लेकर जनता के बीच जाकर उन्हे जोड़ने पर बल दिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए सदर विधायक महेन्द्र नाथ यादव ने कहा की 2027 को लेकर पार्टी के सभी नेता बूथ एवं सेक्टर अध्यक्षों के सम्पर्क में बने रहे। जिससे जमीनी स्तर पर पार्टी के जीत के इतिहास को दोहराया जा सके।

बैठक को सम्बोधित करते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे निरन्तर जनता के बीच बने रहें और उनकी समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें। कहा कि समाजवादी पार्टी के नीति, कार्यक्रमों को जनता से जोड़ने के साथ ही दवाई, पढाई, विकास के मोर्चो पर अपने–अपने क्षेत्रों में निरन्तर संघर्ष को जारी रखने के साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में पार्टी की मजबूती में जुट जाय।

सपा की मासिक बैठक में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, वरिष्ठ नेता चन्द्र भूषण मिश्र, विधानसभाध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी, राजाराम यादव, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, मोहम्मद सलीम, जमील अहमद आदि ने सम्बोधित किया। वक्ताओं ने पार्टी की मजबूती के साथ ही समाजवादी विचारधारा से जन मानस को जोड़ने का आवाहन किया।

आगामी पीडीए कार्यक्रम की तैयारी, बूथ अध्यक्ष सेक्टर अध्यक्षों से जुड़े रहे नेता –महेन्द्रनाथ यादव

बैठक में हर्रैया नगर पंचायत अध्यक्ष कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, रूधौली नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद, गीता भारती, गुलाब सोनकर, राम सिंह यादव, रिन्टू यादव, वीरेन्द्र चौधरी, राजेश पाण्डेय, राहुल सिंह, राघवेन्द्र सिंह, जीतेन्द्र यादव, रोहितेश्वर नीलू, रनबहादुर यादव, हवनोद यादव, यूनूस आलम, नीलू सिंह, राजेश पटेल, चन्द्रिका यादव, हरीश गौतम, रामचन्दर यादव, तनवीर अहमद, अरविन्द सोनकर, आर. डी. गोस्वामी, तूफानी यादव, राम शब्द यादव, घनश्याम यादव, सुरेश सोनकर, कल्लू मोदनवाल, जैराज यादव, विजय यादव, राजदेव प्रसाद, श्याम सुन्दर, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, अखिलेश यादव, रजवंत यादव, दयाशंकर मिश्र, शंकर यादव, रजनीश यादव, राजू सिंह, जयराज यादव, जोखूलाल,राजेन्द्र प्रसाद, गौरीशंकर, रामशंकर निराला के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को अवश्य मिलें –सांसद

–संवाददाता–भारतीय बस्ती–

बस्ती। सांसद रामप्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी। बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता व मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी. एस. ने मा. सांसद महोदय को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसी प्रकार विधायक हर्रैया अजय सिंह, महादेवा के दूधराम, सदर के महेन्द्रनाथ यादव, रूधौली के राजेन्द्र चौधरी, कप्तानगंज के कविन्द्र चौधरी, एमएलसी प्रतिनिधि हरीश सिंह सहित समिति के सदस्यों को पुष्पगुच्छ दिया गया।

उक्त बैठक में सांसद ने भारत सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रमों के अन्तर्गत महात्मा गॉधी रोजगार गारण्टी योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, जलजीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान कार्ड, बेटी बचाओं–बेटी पढाओं, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निःशुल्क ड्रेस सहित विभिन्न योजनाओं पर गहन समीक्षा की गयी। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने जनपद स्तरीय अधिकारियों से कहा कि भारत सरकार व राज्य सरकार की महत्वपूर्ण, लाभपरक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को अवश्य मिलें, जिससे जनपद का चौमुखी विकास हो सकें।

बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा

विद्युत, स्वास्थ्य विभाग, जलजीवन मिशन, ट्रांसफार्मर, चिकित्सको व दवाओं की उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति, जर्जर तार समस्या से अवगत कराया। विधायक हर्रैया अजय सिंह ने बताया कि छावनी, परसरामपुर में जो विद्युत कनेक्शन हुए है, वह ट्रांसफार्मर की क्षमता से अधिक है, जिससे लो बोल्टेज की समस्या उत्पन्न होती है। विधायक महादेवा दूधराम ने बताया कि कलवारी क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति मात्र 02 घण्टे ही की जा रही है, जिससे वहॉ के आमजन मानस को समस्या हो रही है। विधायक कप्तानगंज कविन्द्र चौधरी ने कहा कि कप्तानगंज स्थित किसी भी सरकारी अस्पताल में एमआरआई की सुविधा उपलब्ध नही है, इसके लिए वहॉ पर एमआरआई मशीन स्थापित करने के लिए शासन को पत्र प्रेषित किया जाय। बैठक में यह भी बताया गया कि जलजीवन मिशन के अन्तर्गत खोदे गये गड्ढों की भरायी व समतलीकरण नही कराया गया है। इस पर जिलाधिकारी द्वारा समस्या से निजात दिलाये जाने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

मा. सांसद महोदय ने उपस्थित सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारियों को हार्दिक शुभकामना देते हुए कहा कि हम सभी का उद्देश्य आम जनमानस को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है, इसलिए हम सभी भेदभाव रहित होकर एकीकृत समन्वय बनाते हुए योजनाओं का लाभ उचित पात्र व्यक्तियों तक पहुँचायें। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा अपने सम्बोधन में कहा गया कि मा. अध्यक्ष व जनप्रतिनिधि द्वारा आज की बैठक में जो सुझाव दिये गये है सभी का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय तथा अगली बैठक में बेहतर परिणाम दिखे। उन्होने सभी का आभार व्यक्त किया।

बैठक का संचालन परियोजना निदेशक राजेश कुमार ने किया। इसमें ब्लाक प्रमुख, नगरपालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 जनवरी 2025 बुधवार

सम्पादकीय

महाकुंभ पर सियासत

मकर संक्रांति 14 जनवरी, से प्रयागराज में महाकुंभ चालू हो रहा है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार इसके लिए तैयारियों में जुटी हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर भीड़ प्रबन्धन तक के काम तेजी से चल रहे हैं। योगी सरकार का कहना है कि 2025 का महाकुंभ सबसे दिव्य होगा। अब इस आयोजन से भी उत्तर प्रदेश के विपक्ष को परेशानी हो गई बताई जा रही है। सपा से फैजाबाद के सांसद अवधेश कुमार ने कहा है कि महाकुंभ का आयोजन करना कोई नई बात नहीं है और उनकी सरकार में भी यह हुआ था। अवधेश कुमार ने दावा किया है कि इस बार के महाकुंभ में बंदरबाँट हो रही है। उनके नेता अखिलेश यादव भी इस बीच महाकुंभ की तैयारियों पर लगातार सवाल उठा रहे हैं। कहीं वह खम्भों की फोटो डालते हैं तो कहीं अधूरी पुलिस चौकी दिखाते हैं। उनका दावा होता है कि महाकुंभ का काम अधूरा है। हालाँकि, अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के नेता यह भूल जाते हैं कि अब से ठीक 12 वर्ष पहले प्रयागराज में उन्हीं की सरकार के समय में कुंभ का आयोजन हुआ था और उसके कुप्रबंधन की दुनिया भर में आलोचना हुई थी।

अखिलेश यादव आलोचना करने के बजाय अपने मुख्यमंत्री रहते हुए एक मॉडल सेट कर सकते थे लेकिन तब उन्होंने कुंभ में कोई रूचि नहीं दिखाई थी। महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ से लेकर पैसा ना खर्चने और भीड़ के प्रबन्धन तक में सैकड़ों गड़बड़ियाँ उनकी सरकार में हुई थीं। इसको लेकर सीएजी ने एक रिपोर्ट बनाई थी जिसमें पूरी सच्चाई को उजागर किया गया था। 2013 के कुंभ के लिए अखिलेश यादव को आजम खान के अलावा और कोई शख्स नहीं मिल सका था। आजम खान को इस मेले की समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। आजम खान को हिन्दुओं के सबसे बड़े जुटान कुंभ में संभवतः कोई रुचि नहीं थी और वह उस दौरान रामपुर में अपनी समानांतर सरकार चलाने और जौहर यूनिवर्सिटी बनाने में लगे हुए थे। आजम खान के मंत्री रहते हुए इस कुंभ के दौरान प्रयागराज के रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 42 लोग मारे गए थे। यह हादसा 10 फरवरी, 2013 को हुआ था। इस दिन मौनी अमावस्या थी और लाखों श्रद्धालु उस दिन प्रयागराज में गंगा में स्नान करने आए थे। इस हादसे को लेकर रिपोर्ट भी बाद में सामने आई थी। इस हादसे के कारणों में से एक यह भी था कि राज्य सरकार ने पर्याप्त बसों की व्यवस्था नहीं की थी। इस हादसे के बाद आजम खान ने दिखावे के तौर पर अपने इस्तीफे की पेशकश की थी लेकिन अखिलेश यादव ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हादसे के 2 दिन बाद अखिलेश यादव प्रयागराज गए थे और गाड़ी लेकर अंदर घूम कर वापस चले गए थे। उन्होंने यहाँ स्नान करना तक जरूरी नहीं समझा था। वर्तमान में खम्भों पर तार ना लगने को लेकर राज्य सरकार को कठघरे में खड़ा कर रहे अखिलेश यादव तब हादसे को लेकर राजनीति ना करने की अपील कर रहे थे।

अखिलेश यादव के समय गडबड़ी सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं थी। इस कुम्भ को लेकर जब सीएजी ने ऑडिट किया तो असल सच्चाई खुली थी। सीएजी की रिपोर्ट में सामने आया था कि 2013 के कुंभ के लिए सारे काम पूरे करने की तिथि सबसे पहले 30 नवम्बर, 2012 रखी गई थी लेकिन इनमें से कई काम मेला चालू होने तक भी पूरे नहीं हुए। इनकी तिथि इस बीच तीन बार बढ़ाई गई। सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, अखिलेश यादव की सरकार मेले की शुरूआत यानी 14 जनवरी, 2013 तक इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 59 प्रतिशत काम पूरे नहीं पाई थी, यानी वर्तमान में खम्भों पर तार ना लगने को मुद्दा बना रहे अखिलेश यादव अपनी सरकार में मेला शुरू होने तक 60 प्रतिशत काम नहीं पूरा करवा पाए थे। यहाँ तक सड़क निर्माण से जुड़े 111 कामों में से 65 मेला खत्म होने के तक भी पूरे नहीं हुए थे। और तो और, 26 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट शुरू ही नहीं हो पाए थे। इन सब के बावजूद अखिलेश सरकार ने सीएजी को जनवरी, 2013 में यह सूचना दी थी कि सारे काम पूरे हो गए। इसको लेकर सीएजी ने सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। सीएजी ने अपनी जाँच में यह भी पाया कि कुंभ के लिए जिन दवाइयों, गाड़ियों समेत बाकी चीजों की सप्लाई की जानी थी, उसमें भी 2 करोड़ से ज्यादा का सामान मेला चालू होने तक भी नहीं पहुँचा था। कई ऐसे कामों को कुंभ के पैसे से करवा लिया गया था जो उससे जुड़े ही नहीं थे।

2013 के महाकुम्भ के लिए 1152 करोड़ का बजट बना था और यह रिलीज किए गए थे। इस धनराशि में से 341 करोड़ केंद्र सरकार के दिए हुए थे। यह खर्च कुंभ के दौरान बनने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर और बाकी खरीद के लिए होना था लेकिन यह पैसा पूरा खर्च तक नहीं किया गया। इस धनराशि में से 1017 करोड़ खर्च हुआ यानी 134 करोड़ की धनराशि पड़ी रह गई। इसके अलावा समाजवादी पार्टी को केंद्र सरकार ने 800 करोड़ अलग से कुंभ के लिए दिए थे। इस धनराशि में से एक पैसा अखिलेश यादव की सरकार ने कुंभ के कामों के लिए नहीं लगाया। इस पैसे को राज्य सरकार ने अपने काम में लगा लिया। जहाँ 2013 का कुंभ अखिलेश यादव ने विफलताओं का स्मारक बना दिया था, वहीं 2025 के कुंभ को योगी सरकार ने डिजिटल कुंभ के तौर पर आयोजित करने की तैयारी कर ली है। इस महाकुंभ के लिए योगी सरकार ने विशेष एप बनाया है। अच्छा हो कि महाकुंभ पर राजनीति की जगह समन्वय की दिशा में राजनीति आगे बढे।

मणिपुर पर माफीनामे की राजनीति

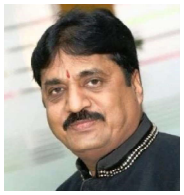

—ललित गर्ग—

मणिपुर में जातीय संघर्ष, व्यापक हिंसा एवं अराजक माहौल के लिए पूर्वोत्तर राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने बीते साल के आखिरी दिन शांति की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए 'माफी' मांगी है, इस माफी को लेकर राजनीति के गलियारों में व्यापक चर्चा है। क्योंकि इस हिंसा में मई 2023 से 250 से अधिक लोगों की जान चली गई और हजारों लोग बेघर हो गए है। लम्बे समय से यह प्रांत अस्थिरता, असंतोष एवं अशांति की आग में जल रहा है। एन बीरेन सिंह ने माफी मांगते हुए हिंसा के इस लंबे कालखण्ड एवं सिलसिले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और सभी समुदायों से अपील की कि पिछली गलतियों को भुलाकर वे शांति और सौहार्द कायम करें। हालांकि मुख्यमंत्री की इस अपील के अपने मतलब निकाले जा रहे है। कुछ लोगों का कहना है कि यह माफी बहुत पहले मांगी जानी चाहिए थी। कुछ का यह मानना है कि माफी ऐसे समय आई है जब मुख्यमंत्री चौतरफा दबाव में है। विरोधी तो बहुत पहले से उनका इस्तीफा मांग रहे हैं, पिछले कुछ समय से खुद उनके विधायकों और सहयोगियों ने इस माफी को उनकी मजबूरी का परिणाम बताया है। निश्चित ही बीरेन सिंह के लिये माफी मांगना काफी नहीं है, अगर वह मानते हैं कि स्थिति को संभालने में नाकाम रहे तो उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए था या केन्द्र को राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए था। अफसोसनाक यह है कि इस मसले पर अक्सर विवाद उभरते रहे और राजनीतिक शख्सियतों के बीच आरोप–प्रत्यारोप अक्सर बेलगाम बोल में तब्दील ही होते रहे, कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया, जो गैरजिम्मेदाराना राजनीति को दर्शाता है।

मणिपुर में 3 मई 2023 से ही बहुसंख्यक मैतेई और कुकी के बीच आरक्षण और आर्थिक लाभ को लेकर जो हिंसा शुरू हुई वह अभी थमने का नाम नहीं ले रही। कभी अपनी सांस्कृतिक सद्भावना के लिए जाना जाने वाला राज्य अब गहराते विभाजन एवं जातीय संघर्ष का सामना कर रहा है और लोग लगातार भय में जी रहे हैं। तनाव कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा। शांति एवं सद्भावना की तलाश अभी भी जारी है। मणिपुर में जब चंद दरिंदें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर उनके साथ बर्बरतापूर्ण हरकत करते नजर आए तो पूरा प्रांत आक्रोश में आ गया। जनमानस की प्रतिक्रिया लोकतांत्रिक व्यवस्था में बहुत महत्व रखती है। न तो राज्य सरकार ने और न ही केन्द्र सरकार ने हिंसा को रोकने के लिए कोई ठोस उपाय किए और न ही शांति स्थापित करने के कोई प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार डेढ़ साल से ज्यादा समय से खेमों में बंटती राजनीतिक उलझन में फंसी रही। सभी दल, नेता एवं सरकार नामुमकिन निशानों की ओर कौमों को दौड़ती रही। यह कौमों के साथ नाइंसाफी होने के साथ अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी। क्योंकि ऐसी दौड़ जहां पहुंचाती है, वहां कामयाबी की मंजिल नहीं, बल्कि मायूसी का गहरा गड्ढा होता है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह स्वीकारोक्ति कि "मैं राज्य में जो कुछ हुआ उसके लिए खेद व्यक्त करना चाहता हूं। कई लोगों ने अपनों को खो दिया और कई लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा। मैं खेद व्यक्त करता हूं और माफी मांगता हूं। लेकिन पिछले तीन–चार महीनों में अपेक्षाकृत शांति देखने के बाद, मुझे उम्मीद है कि आने वाले साल में स्थिति सामान्य हो जाएगी।" प्रश्न है कि मुख्यमंत्री 18 माह के खून–खराबे के बाद अब क्यों माफी मांग रहे हैं? वे क्या संदेश देना चाहते हैं? अगर वह स्थिति को संभालने में नाकाम रहे थे तो उन्हें बहुत पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था। ताकि स्थितियों लगातार इतनी विकराल नहीं होती, इतनी अधिक जनहानि नहीं होती। देश के नेताओं को गाल बजाने की बजाय आम आदमी को परेशान करने वाली सामाजिक असुरक्षा, जातीय संघर्ष तथा हिंसा जैसे मुद्दों से निबटने के लिये दूरगामी नीतियों के क्रियान्वयन के प्रयास करने चाहिए। यूं तो मणिपुर हिंसा में इतने मासूमों की मौत के बाद मुख्यमंत्री के माफी मांगने का कोई औचित्य नजर नहीं आ रहा। इसीलिये विपक्ष दल एवं कांग्रेस उन पर और केन्द्र सरकार पर हमलावर है। 19 महीनों में एन.बीरेन असंवेदनशील बने रहे और वर्ष के अंत में उन्होंने माफी मांगकर किस संवेदनशीलता का परिचय दिया है? अब सवाल यह है कि त्रासदी का अंत कैसे हो? कैसे शांति स्थापित हो? जरूरत है मनुष्य को बांटे नहीं, सत्य को ढंके नहीं।

बड़ा सवाल यह है कि राज्य द्वारा माफी मांगना केवल दिखावा है और राजनीतिक अपयश निवारण और क्षतिपूर्ति की आवश्यकता मात्र है या किसी सार्थक बदलाव की बुनियाद। हालांकि इस तरह की राजनीतिक माफी अक्सर संदेहास्पद ही होती है क्योंकि माफी में इससे कहीं अधिक की क्षमता होती है। सार्वजनिक रूप से माफी मांगने वाले नेताओं की संख्या में वृद्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय एवं चिन्तनीय रही है। माफी मांगना एक ऐसी युक्ति है जिसका इस्तेमाल नेता अब अक्सर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिये करते हैं, ताकि वे कम से कम लागत पर अपनी गलतियों को पीछे छोड़ सकें या उनसे पीछा छूडा सके। लेकिन बीरेन सिंह की माफी की अच्छी बात यह है कि तमाम दबावों के बाद ही सही, राजनीति और समाज के हर प्रमुख हिस्से ने उनकी माफी को सकारात्मक कदम माना है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि इस माफी की पहल को विश्वसनीय बनाया जाये एवं ऐसे उपयोगी एवं जरूरी कदम उठाए जाये ताकि मणिपुर राज्य में मैतेई समुदाय और पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी जनजातीय समुदायों के बीच चला आ रहा टकराव विराम पा जाये। जरूरी है कि केंद्र और राज्य की सरकार मुख्यमंत्री की इस पहल से उपजे सद्भाव को स्थायित्व देने की कोशिशें अविलंब शुरू कर दें।

2023 के मुकाबले 2024 की दूसरी छमाही में मणिपुर के हालात बेहतर रहे, संघर्ष की स्थितियां कम देखने को मिली। लेकिन पूर्व की हिंसक घटनाओं और मृतकों की संख्या को उससे बनने वाले माहौल से अलग करके नहीं देखा जा सकता। तनाव, संघर्ष और अविश्वास के जिस माहौल से मणिपुर गुजर रहा है, उसकी सचाई इसी हफ्ते कांगपोकपी जिले में कथित कम्युनिटी बंकरों को सुरक्षा बलों द्वारा नष्ट किए जाने पर हुए संघर्ष में 40 लोगों के जख्मी होने और कुकी नैशनल फ्रंट के कथित हमलों के खिलाफ चुराचांदपुर जिले में बंद का आह्वान किए जाने से स्पष्ट है। अभी भी असामान्य हालातों के बीच सवाल है कि मुख्यमंत्री की इस माफी का राज्य के अलग–अलग समुदायों के लोगों पर कैसा और कितना असर पड़ेगा? सवाल महत्वपूर्ण इसलिए भी हो जाता है क्योकि यह आरोप संघर्ष शुरू होने के बाद से ही लगता रहा है कि मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन की भूमिका निरपेक्ष नहीं है। आरोप पूरी तरह गलत हो तो भी इससे इतना तो स्पष्ट है कि प्रदेश के लोगों का एक खेमा उन्हें अविश्वास भरी नजरों से देखता है। इतने गंभीर और मानवता के अस्तित्व को ही नकारने से जुड़े मसले पर भी समाज के लोगों में जो बंटवारे की प्रवृत्ति राजनीतिक कारणों से दिख रही है वो किसी भी नजरिए से देश की एकता और अखण्डता के लिये फायदेमंद नहीं है।

मुद्दा चाहे कोई भी, खांचों या खेमों में बांटने या बंटने का और आम लोगों को तोड़ने का या जोड़ने का– राजनीति से जुड़े लोगों, राजनीतिक दलों और नेताओं में तो शुरू से रहा है लेकिन जब समाज में आम लोग भी इस तरह के बंटवारे का हिस्सा बन जाते हैं तो इसमें नुकसान सिर्फ और सिर्फ देश के नागरिकों का होता है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सरकार संकट में सही ढंग से नहीं निपटने के चलते अपनी विश्वसनीयता पहले ही खो चुकी है, लेकिन उसे पुनः हासिल करने के लिये माफी से आगे बढ़कर और अधिक सामाजिक एकता, समरसता एवं सौहार्द के प्रयत्न करने होंगे। हमारे देश की राजनीति की विडम्बना ही रही है कि लोगों को धर्म, जाति, वर्ग, भाषा, वर्ण के नाम पर बांट कर किसी न किसी तरह सत्ता हासिल करना। हालांकि सही मायने में लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति की परिभाषा और दायरा उससे कहीं ज्यादा व्यापक है। जातीय हिंसा का समाधान संवाद से ही होता है। राज्य सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मैतेई और कुकी समुदाय के साथ लगातार संवाद जारी रखना चाहिए।

भारत में आर्थिक प्रगति और व्यापार

— प्रहलाद सबनानी—

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फिलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं।

बैंकों के लिए जमा राशि में कमी एक चेतावनी

—दीप मुखर्जी—

1998 के बाद से, कम से कम 6 ऐसे अवसर आए हैं जब जमा वृद्धि ने ऋण वृद्धि को पीछे छोड़ दिया। इसलिए, जमा संकट पर हालिया हो–हल्ला आश्चर्यजनक था, यह देखते हुए कि यह छठा था, जो अप्रैल 2022 से अक्तूबर 2024 तक बढ़ा था। ऋण और जमा वृद्धि के बीच बेहतर संरेखण के कारण सापेक्ष आराम भी आश्चर्यजनक है।

1998 के बाद से, कम से कम 6 ऐसे अवसर आए हैं जब जमा वृद्धि ने ऋण वृद्धि को पीछे छोड़ दिया। इसलिए, जमा संकट पर हालिया हो–हल्ला आश्चर्यजनक था, यह देखते हुए कि यह छठा था, जो अप्रैल 2022 से अक्तूबर 2024 तक बढ़ा था। ऋण और जमा वृद्धि के बीच बेहतर संरेखण के कारण सापेक्ष आराम भी आश्चर्यजनक है। यह चिंताजनक है। यह परिवारों के बचत व्यवहार में अधिक संरचनात्मक परिवर्तनों का अग्रदूत हो सकता है। यदि बैंकिंग प्रणाली 2016 से पहले 14–16 प्रतिशत जमा वृद्धि दर पर वापस जाने की इच्छा रखती है, तो उसे जमाकर्ताओं के साथ अलग व्यवहार करना पड़ सकता है।

यह प्रचलित धारणा कि जमा राशि की कमी से ऋण वृद्धि बाधित होती है, गलत है और बैंकिंग अर्थशास्त्र की किसी भी बुनियादी समझ पर आधारित नहीं है। चालू और बचत खाते बैंकों के लिए वित्तपोषण का सबसे सस्ता स्रोत हैं। यहां तक कि खुदरा सावधि जमा भी बैंकों द्वारा पूंजी बाजार आधारित उधारी से सस्ता पड़ता है। इस प्रकार, जमा राशि की कमी से बैंकों के लिए निधियों की लागत बढ़ जाती है। इसलिए, शोर–शराबा सस्ते फंड की अनुपलब्धता और कम होते मार्जिन की चिंता को लेकर है। बैंकिंग निरंतर वित्तीय दमन की धारणाओं पर भरोसा नहीं कर सकती। वैश्विक स्तर पर बहुत सी अर्थव्यवस्थाएं वित्तीय दमन का पालन करती हैं। वित्तीय दमन, अन्य बातों के अलावा, यह भी दर्शाता है कि बचतकर्त्ताओं को अक्सर मुद्रास्फीति दर से कम रिटर्न मिलता है (यानी, उनकी वास्तविक ब्याज दर नकारात्मक होती है)। इससे कार्पोरेट और सरकार को सस्ते ऋण उपलब्ध कराकर आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

यहां तक कि अमरीका जैसी बाजार–संचालित अर्थव्यवस्थाओं ने भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद और हाल ही में कोविड के दौरान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय दमन का सहारा लिया। बचत खातों पर ब्याज दरों को बहुत पहले ही नियंत्रणमुक्त कर दिया गया था। हालांकि, वित्तीय दमन की जड़ता अभी भी जारी रह सकती है। हाल ही तक, भारतीय अर्थव्यवस्था के पास बहुत सारे विकल्प नहीं थे। बैंक में जमा की जाने वाली अधिकांश बचत पर नकारात्मक वास्तविक ब्याज दरें हैं। लेकिन हालात बदल रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास ने कई बार बैंकों में जमा राशि जुटाने में कमी के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है क्योंकि जमाकर्ता तेजी से पूंजी बाजार और अन्य वित्तीय मध्यस्थों की ओर रुख कर रहे हैं। 2013 और 2023 के बीच, घरेलू वित्तीय परिसंपत्तियां सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) के 41 प्रतिशत से बढ़कर 46 प्रतिशत हो गई हैं। इसके अलावा, जमा और मुद्रा का वाघ्घक परिसंपत्ति आबंटन वित्तीय परिसंपत्तियों के 67 प्रतिशत से घटकर 45 प्रतिशत हो गया है (स्रोतरूबैंकिंग फॉर ए विकसित भारत, बी.सी.जी. रिपोर्ट)। यह बचतकर्त्ताओं के व्यवहार में एक संरचनात्मक बदलाव हो सकता है।

एफ.टी.पी., क्रैडिट कार्ड और परिचालन व्यय को हटाकर आय को घटाया जाता है। पैक में जोकर एफ.टी.पी. है। यदि यह फंड की वास्तविक लागत से प्रेरित है, जो कि आर्थिक रूप से अनुचित है, तो बी.यू.(बिजनैस यूनिट) को दिए गए फंड की वास्तविक अवसर लागत से प्रभावित होता है। यकीनन, उधार देने वाले बी.यू. को उच्च मार्जिन दिखाने का मौका मिलता है, ऋण को बेहतर कीमत देने की कम प्रेरणा होती है और फिर भी उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। लेकिन जमा जुटाने वाले बी.यू. को अक्सर जमा जुटाने की परिचालन लागत के अलावा जमा जुटाने के लिए कुछ मामूली प्रोत्साहन मिलता है।

केवल कुछ बैंक ही फंड की अवसर लागत लेकर एफ.टी.पी. का अनुमान लगाते हैं, जो कि खर्च की गई लागत से काफी अधिक है। जब तक अधिकांश बैंक एक तुलनीय दृष्टिकोण का पालन नहीं करते हैं, तब तक प्रमुख उधार देने वाले बी.यू. के आंतरिक दबाव बैंकों को अधिक उचित मूल्य वाली जमा राशियों में स्थानांतरित होने से रोकेंगे। बेशक, फंड की वास्तविक लागत और वास्तविक ब्याज आय समग्र लाभप्रदता को प्रभावित करती है, लेकिन जमा–भारी बी.यू. के लिए ऋण देने वालों की तुलना में अधिक आर्थिक रूप से संतुलित प्रोत्साहन संरचना जमा जुटाने के मुद्दों को संबोधित करेगी। बैंकों के लिए जमाकर्त्ताओं को व्यवसाय में भागीदार के रूप में मानना और आर्थिक रूप से फायदेमंद सौदा पेश करना अधिक समझदारी भरा है।

कार्यालय, नगर पंचायत गनेशपुर, बस्ती

पत्रांक 507/न०पं०गनेशपुर / लेखानुभाग/2024–25 दिनांक 07–01–2025

सार्वजनिक सूचना

नगर विकास अनुभाग 01 के अधिसूचना संख्या 2539/9–1–2020–20टी.ए./19 लखनऊ दिनांक 20 दिसम्बर, 2020 द्वारा जनपद बस्ती में नगर पंचायत गनेशपुर के सृजन सम्बन्धी अधिसूचना जारी की गयी है। अधिसूचना के अनुसार नगर पंचायत गनेशपुर में क्रमशः गनेशपुर, बंधुआ एवं मंझरिया ग्राम सभाओं को सम्मिलित किया गया है। नगर पंचायत गनेशपुर द्वारा संयुक्त प्रान्त नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 128 (1) (एक्स०आई०वी०–ख) के अन्तर्गत प्राप्त अधिकारो का प्रयोग करते हुये नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ किये जाने के दृष्टिगत नगर पंचायत सीमान्तर्गत अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखो पर कर उगाहने हेतु नियमावली बनाने हेतु उक्त अधिनियम 131(3) की अपेक्षानुसार सम्बद्ध व्यक्तियो से उपविधि का प्रकाशन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय पत्र संख्या–74/न०पं०गनेशपुर/लेखानुभाग /2024–25 दिनांक 18.06.2024 द्वारा दो दैनिक समाचार पत्र में कराते हुए सर्वसाधारण से 15 दिवस के अन्दर आपत्ति / सुझाव का आमन्त्रण किया गया था समयावधि समाप्त होने तक कोई आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में उपविधि अन्तिम रूप से प्रकाशित करायी जा रही है। जो सरकारी गजट में प्रकाशित होने के उपरान्त स्वतः प्रभावी माना जायेगा।

नियमावली

01– संक्षिप्त शीर्ष नाम, प्रारम्भ और प्रवृत्ति :–

क– यह नियमावली नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती के अन्दर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के लेखो पर कर नियमावली कहलायेगी।

ख– यह उस दिनांक से प्रवृत्त होगी जब से नगर के अन्दर की अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के विलेखो पर कर लगाया जाये।

ग– यह नगर पंचायत गनेशपुर में स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के समस्त विलेखो पर प्रवृत्त होगी।

02– परिभाषायेः– विषय या प्रसंग में कोई बात प्रतिकूल न होने पर इस नियमावली में–

क– यह उप नियम सरकारी गजट में प्रकाशन उपरान्त प्रभावी माना जायेगा।

ख– ऐक्ट का तात्पर्य यू०पी० म्यूनिसिपैलटीज एक्ट 1918 (सं०प्रा० ऐक्ट संख्या–02 सन् 1916) से है।

ग– नगर पंचायत का तार्पय नगर पंचायत, गनेशपुर, जनपद बस्ती से है।

घ– इन्डियन स्टाम्प एक्ट उत्तर प्रदेश, 1999 (ऐक्ट संख्या–02 सन् 1899) के अधीन अचल सम्पत्ति हस्तान्तरण के किसी लेख पर लगाये गये शुल्क से है।

ड.– इन्डियन स्टाम्प एक्ट उत्तर प्रदेश में अपनी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में यथासंशोधित इन्डियन स्टाम्प एक्ट उत्तर प्रदेश, 1899 (ऐक्ट संख्या–02 सन् 1899) से है।

च– सीमा का तात्पर्य नगर पंचायत गनेशपुर की सीमा से है।

छ– अधिशासी अधिकारी का तार्पय नगर पंचायत गनेशपुर के अधिशासी अधिकारी से हैं।

ज– 'प्रशासक' या अध्यक्ष का तार्पय नगर पंचायत गनेशपुर के प्रशासक / अध्यक्ष से हैं।

झ– कर का तात्पर्य अधिनियम की धारा 128 की उपधारा (1) के खण्ड (एक्स०आई०बी०–ख) के अधीन लगाये गये करो से है।

03– नगर पचायत गनेशपुर के अन्दर स्थित अचल सम्पत्ति के हस्तान्तरण के किसी विलेख पर इन्डियन स्टाम्प ऐक्ट द्वारा लगाया गया शुल्क हस्तान्तरित सम्पत्ति के मूल्य पर अथवा भोग बन्धक की दशा में दस्ताबेज द्वारा प्रतिभूत धनराशि 02 प्रतिशत के दर से बढ़ा कर वसूल किया जायेगा।

04– **कर वसूल करने की प्रकियाः–** उक्त वृद्धि के फलस्वरूप वसूल की गयी धनराशि प्रासंगिक व्ययो को, यदि कोई हो काट लेने पश्चात राज्य सरकार द्वारा नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती को निम्नलिखित रीति से अदा करेगी :–

क– जब कभी नगर के भीतर स्थित किसी अचल समपत्ति के हस्तान्तरण का कोई कोई दस्तावेज निबन्धन के लिये प्रस्तुत किया जायेगा तो निबन्धन अधिकारी, गनेशपुर यह सुनिश्चित करेगे कि इन्डियन स्टाम्प एक्ट की धारा 27 में निर्दिष्ट ब्योरे निम्नलिखित के सम्बन्ध में पृथक–पृथक दिये गये है।

ख– यदि ऐसे ब्योरे दस्तावेज में पृथक पृथक दिये हो तो निबन्धन गनेशपुर उसे जिला मजिस्ट्रेट बस्ती को अधिनियम की धारा 128 की उपधारा (4) द्वारा पंचायतो पर यथा प्रवृत्त इन्डियन स्टाम्प एक्ट की धारा 64 के अधीन आवश्यक कार्यवाही के लिये भेजेगा।

05– कर लेखे रख रखावः– निबन्धन अधिकारी गनेशपुर जनपद गस्ती प्रत्येक दस्तावेज के सम्बन्ध में पृथक पृथक लेखे को रखेगा जिसमें शुल्क व कर विवरण अंकित होगा। उसका, त्रैमासिक विवरण निर्धारित प्रारूप पर नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती को उपलब्ध करायेगा।

06– निबन्धन अधिकारी गनेशपुर जनपद बस्ती, जो दीवानी न्यायालय द्वारा दिये गये विक्रय के प्रमाण पत्रो की प्रतिलिपियों प्राप्त करे और इन्डियन रजिस्ट्रेशन एक्ट 1908 (एक्ट संख्या 16, 1908) की धारा 89 के अधीन अपनी पुस्तक संख्या 01 में नत्थी करें तथा राजस्व अधिकारीगण शुल्क व कर का उसी प्रकार लेखा रखेगा।

07– निबन्धन अधिकारी गनेशपुर जनपद बस्ती, त्रैमासिक विवरण पृथक–पृथक तैयार करेगा। जिसमें कर व शुल्क के रूप में वत्सूल की गयी धनराशि का विवरण होगा उसे जिला निबन्धन को उक्त प्रत्येक महीने में पांचवें दिनांक तक प्रस्तुत करेगा।

01– निबंधन महानिरीक्षक, उ0प्र0, इलाहाबाद।

02 सचिव राजस्व परिषद उ०प्र० इलाहाबाद।

03 अधिशाषी अधिकारी नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती।

04– महालेखाकार उ०प्र० इलाहाबाद।

08– निबन्धन अधिकारी गनेशपुर जनपद बस्ती द्वारा अतिरिक्त 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की धनराशि का त्रैमासिक विवरण जिला निबन्धन अधिकारी बस्ती को प्रस्तुत की जायेगी। जिसका विवरण निबन्धन महानिरीक्षक उ०प्र० इलाहाबाद/ सचिव राजस्व परिषद उ०प्र० इलाहाबाद को जिला मुख्यालय से उपलब्ध करायी जायेगी। जिसके सापेक्ष वसूल की गयी अतिरिक्त 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की धनराशि सशोधित प्राविधानो के अनुसार नगर विकास उत्तर प्रदेश शासन / निदेशक स्थानीय निकाय उ०प्र० लखनऊ के माध्यम से वसूल की गयी अतिरिक्त 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क की धनराशि नगर पंचायत गनेशपुर जनपद बस्ती को प्राप्त करायी जायेगी।

09– आवश्यकतानुसार निबन्धन अधिकारी गनेशपुर जनपद बस्ती / जिला निबन्धन अधिकारी जनपद बत्ती से अतिरिक्त 02 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क के रूप में वसूल गयी धनराशि के विवरण का निरीक्षण अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत, गनेशपुर, जनपद बस्ती द्वारा प्राधिकृत किसी कर्मचारी/अधिकारी द्वारा किया जा सकता है।

(अजय कुमार पाण्डेय)
अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, गनेशपुर, बस्ती

(सोनमती)
अध्यक्ष
नगर पंचायत, गनेशपुर, बस्ती

पत्रांक 507/न०पं०गनेशपुर / लेखानुभाग/2024–25 दिनांक 07–01–2025

मुख्यमंत्री से मिलकर मेहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी ने क्षेत्र के विकास के लिए दिया मांग पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता – संतकबीरनगर (मेहदावल)। लखनऊ में मेहदावल विधायक अनिल त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर नव वर्ष की बधाई दी। इसी कड़ी मे विधायक ने क्षेत्र के विकास के मुद्दे को उठाते हुए चोरमा रेगुलेटर के समीप पम्प हाउस की स्थापना, बखिरा पक्षी बिहार(बखिरा झील)इको टूरिज्म एवं एग्रो टूरिज्म के रूप में विकसित किये जाने के सम्बन्ध मे, सांथा विकास खण्ड के ग्राम–बनेथू में विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण, मेंहदावल विकास खण्ड के ग्राम–बेलौली में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निर्माण, मेंहदावल विकास खण्ड के ग्राम–बढया ठाठर के समीप ढोह में विद्युत उपकेन्द्र के निर्माण, विकास खण्ड के ग्राम–बेलौली में बाढ़ विभीषिका के निवारण हेतु 300 मी०पक्के घाट के निर्माण के सम्बन्ध में मांग पत्र सौपा। विधायक अनिल त्रिपाठी ने बताया की मुख्यमंत्री से मिलना सकारात्मक रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन कि कमी आड़े नहीं आएगी।

सोनौली सीमा पहुंचे एसएसबी के महानिदेशक, परखी सुरक्षा व्यवस्था

संवाददाता–महराजगंज। एसएसबी के महानिदेशक अमृत मोहन प्रसाद मंगलवार की दोपहर भारत–नेपाल की सोनोली सीमा पर पहुंचे। सीमा का दौरा कर सुरक्षा का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत और नेपाल के अधिकारियों के साथ सोनौली एसएसबी चेकपोस्ट में समन्वय बैठक की। बैठक में भारत–नेपाल सीमा की सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें दोनों देशो की सुरक्षा एजेंसियों के आपसी तालमेल से घुसपैठ, मानव तस्करी व अन्य सामग्रियों की तस्करी पर कड़ाई से रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

बैठक के बाद डीजी ने नो मेन्स लैंड के पूरब और पश्चिम मिश्रित आबादी क्षेत्र का पैदल दौरा किया। उन्होंने बारीकी से खुली सीमा का जायजा लिया। ड्यूटी पर तैनात जवानों से सुरक्षा, उनकी समस्या को लेकर बातचीत भी की। पैदल मार्च के बाद सीमा पर लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा। इस दौरान उन्होंने बताया कि नेपाल से हमारे रोटी–बेटी के संबंध हैं। नेपाल भारत का मित्र देश है और दोनों देशों के सुरक्षा अधिकारी मिलकर सरहद की सुरक्षा करते हैं। नेपाल के अधिकारी, कस्टम और आब्रजन अधिकारियों से बातचीत हुई है। देश की सुरक्षा को लेकर बेहतर कार्य किया जा रहा है। इसके बाद एसएसबी रोड पर स्थित कैम्प पर पहुंचकर उन्होंने जवानों के साथ बातचीत की। इसके बाद उन्होंने निर्माणधीन आईसीपी का अवलोकन किया। इस मौके पर भारत और नेपाल के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रस्तावित गृहकर का कड़ा विरोध, सैकड़ों ने जताई आपत्ति

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज नगर पालिका की ओर से गृहकर बढ़ाने के प्रस्ताव पर शहर में विरोध शुरू हो गया है। गृहकर, जलकर व खाली जमीनों पर टैक्स लगाने के प्रस्ताव पर विरोध दर्ज कराते हुए संयुक्त व्यापारी मोर्चा व नगर के लोगों ने 510 लोगों के हस्ताक्षर कराकर आपत्ति मंगलवार को अधिशासी अधिकारी को सौंपा। कहा गया कि वे इस प्रस्ताव को वापस कराएं। शहर के लोगों का कहना है कि नगरपालिका के लोग जो हाउस टैक्स दे रहे हैं, वही अभी ज्यादा है। इसके अलावा हर वस्तु की खरीद पर जीएसटी में एक प्रतिशत शेष (स्वच्छ भारत) के नाम से जाना जाता है। नगरपालिका द्वारा हर छोटे–बड़े घरों से, प्रतिष्ठानों से हर माह कूड़ा उठाने का शुल्क लिया जाता है। अचल संपत्ति की खरीद पर बिक्री पर नगर विकास शुल्क लगता है। लोगों के अनुसार इतनी महंगाई में मंदी की मार को लोग झेल रहे हैं और इन टैक्स, हाउस टैक्स को भर रहे हैं। अब नगर पालिका द्वारा हाउस टैक्स की बढ़ोत्तरी का फैसला पूरी तरह से गलत है, जिसे शहर के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

आपत्ति में कहा गया है कि इस समय नगर के बहुत से प्रमुख वार्डों में कई वर्षों से जल निकास एवं जलभराव की सबसे बड़ी समस्या है। इसका कोई समाधान नहीं है। नगर के कई वार्डो में रास्ते की गलियों के सड़क अर्धनिर्मित हैं या टूटी–फूटी हैं। अभी भी कच्ची हैं, जिससे नगर के निवासियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। इन समस्याओं के बीच प्रस्तावित कर का शहर के लोग महंगाई, बाजार में मंदी के विरोध दर्ज कराते हुए आपत्ति दर्ज कराते हैं। लोगों ने मांग की कि इस आपत्ति पर गंभीरता से विचार करते हुए बढ़ाए जाने वाले गृहकर को वापस कराएं।

इस दौरान संयुक्त व्यापारी मोर्चा के संयोजक पशुपति नाथ गुप्त, महामंत्री दामोदर गोयल, श्रीकृष्ण पटेल, प्रमोद कुमार, केएम अग्रवाल, प्रदीप कुमार, अशोक चौरसिया, सिकन्दर रौनियर, चंद्रशेखर साहू, श्रवण वर्मा, कर्ण सिंह, जितेन्द्र दूबे,रामरूप यादव व आकाश कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आलोक कुमार, अधिशासी अधिकारी, महराजगंज, नगरपालिका ने कहा कि स्वकर को लेकर शहरवासियों की आपत्ति मिली है। शासनादेश के अनुसार आपत्तियों का निस्तारण कर स्वकर प्रणाली लागू की जाएगी।

अधिकारियों ने कारागार में बंद कैदियों का जाना हाल

संवाददाता–श्रावस्ती। जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार बहराइच का निरीक्षण किया। जहां अधिकारियों ने बंद श्रावस्ती के कैदियों से मिल कर उनका हाल जाना। साथ ही मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम मिलन सिंह, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने मंगलवार को जिला कारागार बहराइच का निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने जेल में बन्द कैदियों को सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही जेल में बंद श्रावस्ती के बंदियों से मिल कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि सरकार से दी जा रही सभी सुविधाएं बंदियों को समय से मुहैया कराने कराएं। इस दौरान अफसरों ने रसोई घर, स्टोर खाद्यान्न, महिला बैरक, पुरुष बैरक, किशोर बैरक व अस्पताल का निरीक्षण किया। बंदियों से उनकी समस्याएं भी सुनी तथा उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए जेल अधीक्षक को निर्देश दिया

कुंभ को देखते हुए रामोत्सव के कार्यक्रम में हुआ परिवर्तन

–भारतीय बस्ती संवाददाता – अयोध्या। प्रभुश्री रामलला को नवनिर्मित मंदिर में विराजमान करने की प्रथम वर्षगांठ पर श्री राम सेवा प्रतिष्ठान द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में रामोत्सव के रूप में मनाने की तैयारी चल रही थी जिसमें पूरे विश्व से 10 बच्चे जिनकी उम्र 5 से 13 वर्ष और 10 अन्य लोगों इसमें उम्र सीमा कोई बाध्यता नहीं है, को श्री राम और रामायण के बारे में ऑनलाइन प्रतियोगिता करा करके पुरस्कार देने का दो दिवसीय कार्यक्रम किया जाना था, लेकिन प्रयागराज में महाकुंभ होने के कारण अयोध्या के सभी संत महंत वहां रह करके सेवा करेंगे यही कारण है कि संतों से अनुमति लेकर के रामोत्सव अब 27 और 28 फरवरी को मनाया जाएगा, उक्त जानकारी प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिकांत शर्मा ने दी। श्री शर्मा ने बताया कि अभी तक ऑनलाइन 1600 अभ्यर्थियों का रजिस्ट्रेशन हुआ है और अभी भी लोग आवेदन कर सकते हैं। भगवान श्री राम के चरित्र पर आधारित रामायण उनके जीवन चरित्र से ही संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। उन्होंने बताया जिनका रजिस्ट्रेशन हो गया है उनको मैसेज द्वारा आगामी तिथि की सूचना दी जा रही है और जिनका नया रजिस्ट्रेशन होगा उनको वेबसाइट के माध्यम से नई तिथि की सूचना हो जायेगी। श्री शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता एक बहाना है बस केवल राम के बारे में पूरे विश्व को बताना है। उन्होंने कहा कि रामोत्सव के माध्यम से विजेता अयोध्या आएंगे अयोध्या के वैभव को अपने स्थान पर यही उद्देश्य है की प्रभु श्री राम लला भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं उनके बारे में जितना अधिक हम प्रचार कर सकें वह काम ही होगा। शिवम श्रीवास्तव ने बताया कि 12 वर्षों के बाद महाकुंभ लगा है, अयोध्या के सभी संत महंत कुंभ में रहेंगे, संस्था ने पूरी तैयारी कर ली थी प्रशासन ने राम पैड़ी पर कार्यक्रम करने की अनुमति दी थी, लेकिन तिथि में परिवर्तन हुआ है प्रभु राम जी की ही इच्छा रही होगी, 27 और 28 फरवरी को भव्य कार्यक्रम अयोध्या में राम जी के मंदिर में विराजमान होने के प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जाएगा।

देका संविधान हम सभी भारतवासियों का गौरव –मुकुट बिहारी वर्मा

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी की ओर से संविधान गौरव अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा मौजूद रहे। उन्होंने संविधान को भारतवासियों का गौरव बताया। भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की ओर से संविधान गौरव अभियान की औपचारिक शुरुआत से पहले जिला कार्यालय भिनगा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि संविधान को निर्मित हुए 75 वर्ष हो रहे हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी संविधान गौरव अभियान चलाने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव बाबा साहब के आदर्शों व सिद्धांतों पर कार्य करते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े शोषित वंचित व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य किया। जिलाध्यक्ष उदय प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों तक देश पर राज किया लेकिन कभी बाबा साहब आंबेडकर को सम्मान नहीं दिया। जिसके वे हकदार थे। 2014 के बाद से जब मोदी सरकार आयी तो बाबा साहब आम्बेडकर को भारत रत्न दिया और उनके जीवनकाल से जुड़े पांच प्रमुख स्थानों को पंचतीर्थ घोषित कर बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि दी। कार्यशाला का संचालन रमन सिंह ने किया। कार्यशाला में शंकर दयाल पाण्डेय, संजय कैरातो पटेल, महेश मिश्रा ओम, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रवेश आर्य, दिवाकर शुक्ला, पुरुषोत्तम कौशल, प्रेम सिंह नायक, अरुण पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, अंकित निषाद, वीरू श्रीवास्तव, आनन्द दूबे, श्रवण वर्मा, उमेश अवस्थी, सत्यराम विश्वकर्मा, मनोज दुबे, राकेश प्रताप सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देश की जनता को मिले संविधान निर्माण के घटनाओं की जानकारी –राहुल

संवाददाता–बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से संविधान गौरव अभियान के तहत मंगलवार को तुलसीपार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर के आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि संविधान गौरव अभियान के तहत भाजपा देश की आम जनता तक बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर के संघर्ष, संविधान निर्माण एवं कांग्रेस के द्वारा किए गए उनके साथ छल कर पहुंचाने का काम करेगी। बाबा साहब के संविधान का ही फल है कि आज शीर्ष पायदान पर देश की एक आदिवासी महिला विराजमान है। वहीं चाय बेचने वाला व्यक्ति देश का नेतृत्व कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि भारत को महान बनाने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आज भी बाबा साहब के विचार समाज के बीच नहीं पहुंचे हैं। भाजपा बाबा साहब के लक्ष्य को देश के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का काम इस अभियान के माध्यम से करेगी। संविधान निर्माण के समय ही सभी घटनाओं की जानकारी देश की जनता को होनी चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, रवि मिश्रा, विष्णुदेव गुप्ता, बिन्दू विश्वकर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष ललिता तिवारी, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष शिव कुमार बाल्मीकी, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष दुश्यंत चौधरी, जिला मंत्री अवधेश तिवारी तरुण, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पाण्डेय, संदीप वर्मा व श्याम मनोहर तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

नए डीएसओ होंगे कुंवर दिनेश प्रताप, निवर्तमान रिलीव

संवाददाता–गोण्डा। खाद्य आपूर्ति विभाग में नए जिला पूर्ति अधिकारी कुंवर दिनेश प्रताप सिंह बनाए गए हैं। जबकि यहां पर तैनात निवर्तमान डीएसओ कृष्ण गोपाल पांडेय का तबादला कुशीनगर जिले में हुआ है। मंगलवार को उन्हें रिलीव कर दिया गया है। नए डीएसओ कुंवर दिनेश प्रताप प्रयागराज में तैनात थे। बताया जा रहा है कि नए डीएसओ भी प्रयागराज से रिलीव हो चुके हैं और उन्होने अपना चार्ज कुंभ के डीएसओ को सौंपा है। इसकी पुष्टि निवर्तमान डीएसओ ने की है।

बहन को बचाने गये भाई की करंट के चपेट में आने से मौत

संवाददाता–देवरिया। बहन को बचाने गए भाई की करंट के चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के भिसवां गांव में मंगलवार की सुबह बेबी दूध की बाल्टी को लोहे की बनी खूंटी में टांगने। पुराने घर में तार के सहारे बिजली की व्यवस्था की गई थी। तार के सम्पर्क में आने से लोहे की खूंटी में बिजली आ गयी थी। करंट की चपेट में आने पर बेबी चिल्लाने लगी। उसको बचाने के लिए उसका भाई हेमंत उम्र 32 वर्ष पुत्र ओमप्रकाश पहुंचा। उसने बहन को तो किसी तरह बचा लिया, लेकिन वह खुद करंट की चपेट में आ

गया। आनन फानन में घर के लोग किसी तरह से बिजली का कनेक्शन काटकर उसको उपचार के लिए तरकुलवा सीएचसी लाये, जहां डॉक्टरो ने हेमंत को मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सूचना जब घर पहुंची तो पत्नी अंजू देवी समेत दो बच्चों का रो रो का बुरा हाल हो गया।

अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव का एलान, 5 फरवरी को होगा मतदान

संवाददाता–अयोध्या। एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव आमने–सामने होंगे। चुनाव आयोग ने मंगलवार को अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर उपचुनाव का ऐलान कर दिया। 5 फरवरी को वोटिंग होगी और 8 फरवरी को गिनती के साथ रिजल्ट घोषित किया जाएगा। नामांकन इसी महीने दस जनवरी से 17 जनवरी तक किए जा सकेंगे। 18 जनवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 20 जनवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। बसपा ने पहले ही उपचुनाव से दूरी बना ली है। कांग्रेस ने भी सपा को समर्थन का ऐलान किया है। ऐसे में मुकाबला सपा और भाजपा के बीच ही होगा। मिल्कीपुर सीट लगातार सपा ही जीतती रही है। पिछली बार समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने यह सीट जीती थी। राममंदिर उद्घाटन के तत्काल बाद हुए लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को ही अयोध्या से उतार दिया। अवधेश प्रसाद ने जीत हासिल की और मिल्कीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। अवधेश प्रसाद के अयोध्या की लोकसभा सीट जीतने और भाजपा के हारने से पूरे देश में यह सीट चर्चा का विषय बन गई। सपा ने भी इसे खूब भुनाया भी। अवधेश प्रसाद को अखिलेश ने लोकसभा में अपने साथ सबसे आगे बैठाया। यही नहीं मिल्कीपुर सीट से अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को प्रत्याशी भी घोषित कर दिया था।

लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में मिल्कीपुर समेत कुल 10 सीटें रिक्त हुई थीं। महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव के ऐलान के साथ ही यूपी की दस में से नौ सीटों पर उपचुनाव का ऐलान हुआ लेकिन मिल्कीपुर का चुनाव टाल दिया गया। चुनाव आयोग ने मिल्कीपुर सीट का मामला हाईकोर्ट में होने के कारण उपचुनाव का ऐलान नहीं किया। ऐसे में सपा ने भाजपा पर हार के डर से चुनाव टालने का आरोप लगाया। इसके बाद से लगातार भाजपा और सपा के बीच मिल्कीपुर सीट को लेकर शब्दबाण चल रहे हैं। सपा ने इस सीट से प्रत्याशी का भी ऐलान तभी कर दिया था। सपा की तरफ से अवधेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद को मैदान में उतारने का ऐलान किया गया है। अब उपचुनाव का ऐलान होने से माना जा रहा है कि भाजपा भी जल्द प्रत्याशी का ऐलान कर देगी। भाजपा ने भी इस सीट को प्रतिष्ठा का सवाल बनाया हुआ है। सीएम योगी ने खुद इस सीट को अपने हाथों में लिया है और लगातार यहां का दौरा कर रहे हैं। बुधवार को भी सीएम योगी का अयोध्या दौरा पहले से प्रस्तावित है। राममंदिर के एक साल पूरा होने पर 11 जनवरी को भी सीएम योगी अयोध्या आ रहे हैं।

दरअसल 2022 के उपचुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद के जीतने के बाद भाजपा के गोरखनाथ ने एक याचिका लखनऊ हाईकोर्ट में दायिर की थी। गोरखनाथ का आरोप था कि अवधेश प्रसाद ने नामांकन पत्र के साथ जो हलफनामा लगाया है उसके नोटरी का लाइसेंस पहले ही एक्सपायर हो चुका है। ऐसे में नामांकन अवैध है। उन्होंने अवधेश प्रसाद को अयोग्य ठहराने की मांग हाईकोर्ट से की थी। इसी बीच अवधेश प्रसाद जब लोकसभा का चुनाव जीतकर सांसद बने तो मिल्कीपुर सीट से इस्तीफा दे दिया। सीट रिक्त तो हो गई लेकिन हाईकोर्ट में याचिका लंबित होने से चुनाव आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान नहीं किया। सपा ने इसे भी मुद्दा बनाया और भाजपा पर हमला किया। हार की आशंका में चुनाव टालने का आरोप लगाया। इसी बीच चुनाव का रास्ता साफ करने के लिए गोरखनाथ दोबारा होईकोर्ट पहुंचे और अपनी याचिका वापस लेने की अपील दायर की। हाईकोर्ट से याचिका वापस लेने की अनुमति मिलते ही यहां पर चुनाव का रास्ता साफ हो गया।

18 घंटे में व्यवसाई से लूट का खुलासा, बरामद किए गए 4.30 लाख रुपये, दो लुटेरे गिरफ्तार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या जिले के कोतवाली रुदौली क्षेत्र में लखीमपुर खीरी निवासी ट्रैक्टर व्यवसाई से 4.30 लाख रुपये लूट की वारदात का अयोध्या पुलिस ने 18 घंटे में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने दो लुटेरों को गिरफ्तार कर लूटी गई सारी रकम को बरामद कर लिया है।

एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि यह सफलता अयोध्या पुलिस को एडीजी कानून व्यवस्था अमिताभ यश की ओर से जारी उस आदेश को अमल में लाने से मिली जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी वारदातों को कंट्रोल करने के लिए तुरंत जिले की सीमा सील कर दी जाए। इसी रणनीति के तहत पुलिस ने दोनों लुटेरों को भेलसर – टिकैत नगर मार्ग पर गिरफ्तार कर लिया।

इनके पास से लूटी गई रकम, एक बैग और दो मोबाइल बरामद किया है। दोनों लुटेरे अरशद और अक्षय कश्यप लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं और लखीमपुर खीरी से ही ट्रैक्टर व्यवसाई खालिद की रेकी कर रहे थे। कोतवाली रुदौली के भेलसर पहुंचने के बाद ही दिनदहाड़े रूपयों से भरा बैग लूट लिया था। रणनीति के तहत जिले की सीमा सील करने के बाद दोनों लुटेरे पुलिस के हत्थे चढ़ गए। जबकि साजिशकर्ता अभी फरार बताया जा रहा है। दरअसल पुराना ट्रैक्टर खरीदने लखीमपुर खीरी निवासी व्यवसाई खालिद अयोध्या के रुदौली में आए थे। तभी वारदात को अंजाम दिया गया था।

खिचड़ी मेलाः सजने लगी गोरक्षनगरी, महाकुंभ की भी दिखेगी झलक

संवाददाता–गोरखपुर। खिचड़ी मेले के लिए गोरखनाथ मंदिर के साथ ही शहर को भी सजाया जा रहा है। दीवारों पर सुंदर पेंटिंग की गई की जा रही है जिसमें महाकुंभ की झलक देखने को मिल रही है। मंदिर परिसर को लाइटों से सजाया जा रहा है। दो से तीन दिनों में तैयारियां पूरी हो जाएंगी। खिचड़ी मेले के लिए शहर के प्रमुख मार्गों पर भव्य प्रवेश गेट बनाया जा रहा है। गोरखनाथ मंदिर रोड की दीवारों की पेंटिंग का काम लगभग पूरा हो गया है। मंदिर को जाने वाली सभी सड़कों का पैचवर्क निर्माण विभाग ने पूरा कर लिया है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों को खड़ा करने के लिए 14 स्थानों पर अस्थायी पार्किंग बनाई गई है। यहां पर लाइटें और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

साथ ही सड़कों पर पथ प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नई लाइटें भी लगाई गई हैं। नगर निगम कंट्रोल रूम भी सक्रिय हो गया है। मंदिर परिसर की सजावट लाइटिंग, फूल, कपड़ों व झालरों से की जा रही है।मुख्य अभियंता संजय चौहान ने बताया कि सड़कों का पैचवर्क पूरा कर लिया गया है। साथ ही 14 स्थानों पर अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। यहां पर लाइटें और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेला परिसर में भी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर परिसर की सजावट का काम भी तेजी से चल रहा है।

सनातन धर्म को पाश्चात्य संस्कृति से खतराः गोस्वामी प्रियेन्द

संवाददाता–गोरखपुर। दानवीर बाबू बालमुकुंद लाल की 151वीं जयंती पर डीबी इंटर कॉलेज में आयोजित समारोह में षष्ठ पीठाधीश्वर गोस्वामी प्रियेन्दु बाबा ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति सनातन धर्म के अस्तित्व के लिए चुनौती है। उन्होंने परिवार और समाज से आग्रह किया कि सनातन मूल्यों को बचाने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने कहा कि बच्चों को सनातन परंपराओं से जोड़ें और अपने परिवार से इस यात्रा की शुरुआत करें। मुख्य ट्रस्टी अनंत प्रकाश अग्रवाल और शगुन कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि ट्रस्ट के सेवा कार्यों को और विस्तार दिया जाएगा। इस अवसर पर ओम जालान, एसके अग्रवाल, प्रो. शिवशरण दास, डॉ. आनंद किशोर आदि उपस्थित रहे।

चित्रकूट से गोरखपुर आया राजगिद्ध, प्रजनन केंद्र में राजगिद्धों की संख्या बढ़ाने पर जोर

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज के भारीवैसी में स्थित देश के पहले जटायु संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र में राजगिद्धों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। शुरुआत में यहां छह राजगिद्ध थे लेकिन अब आठ हो गए हैं। अक्तूबर 2024 में ललितपुर के जंगलों में वन विभाग की टीम गई थी। यहां से एक राजगिद्ध को पकड़कर लाई। यह गिद्ध एक वर्ष से कम उम्र का है। नर या मादा का पता नहीं चला है। इसके बाद टीम दिवाली बाद दोबारा गई और चित्रकूट से एक और गिद्ध को पकड़ा, जिसकी उम्र दो वर्ष के करीब है और मादा है। इसके साथ ही अब संरक्षण केंद्र में मादा गिद्धों की संख्या छह हो गई है लेकिन नर गिद्ध एक ही है। एक गिद्ध का डीएनए परीक्षण के बाद स्थिति साफ होगी।

डीएफओ विकास यादव ने बताया कि केंद्र में राजगिद्धों की संख्या और बढ़ाई जाएगी। नर राजगिद्ध की तलाश में टीमें चित्रकूट और ललितपुर में डेरा डाले हुए हैं। संरक्षण केंद्र में मादा गिद्धों की संख्या पर्याप्त हो गई है, अब उनका जोड़ा बनाने के लिए नर गिद्ध की ही जरूरत है।

पार्टी की मजबूती से हम सब होंगे मजबूत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की अगुवाई वाले अपना दल एस की बैठक कार्यालय पर जिलाध्यक्ष फूलचंद पटेल की अध्यक्षता में और जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश वर्मा के संचालन में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया गया। जिलाध्यक्ष ने बूथ स्तर तक कमेटी बनाने का आह्वान किया। कहा कि अनुप्रिया पटेल और आशीष पटेल का हाथ मजबूत होने से हम सब की पहचान बढ़ेगी।बैठक में प्रदेश सचिव महिला मंच शीलम कनौजिया, विधि मंच जिलाध्यक्ष संजय कुमार यादव, किसान मंच जिलाध्यक्ष सियाराम वर्मा, शमशेर राजभर, इंद्रजीत पटेल, आशाराम कनौजिया, गौरी शंकर वर्मा, राजेंद्र प्रसाद, अनोखा देवी, पुनीता देवी, सुरेश दत्त पटेल उपस्थित रहे

10 जनवरी को जुबिन नौटियाल के गीतों से शुरू होगी बॉलीवुड़ नाइट, सीएम योगी करेंगे समापन

संवाददाता–गोरखपुर। 10 जनवरी से शुरू होने जा रहे गोरखपुर महोत्सव के उद्घाटन में देश के जाने–माने गायक जुबिन नौटियाल के गाने गूंजेंगे। पहले दिन बॉलीवुड नाइट में जुबिन नौटियाल की प्रस्तुति होगी। चंपा देवी पार्क में आयोजित महोत्सव का उद्घाटन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री करेंगे। उद्घाटन के मौके पर समीक्षा शर्मा द्वारा गणेश वंदना एवं गुरु गोरखनाथ पर आधारित बैले कत्थक नृत्य की प्रस्तुति की जाएगी। फिर महाकुम्भ के अवसर पर मानवेन्द्र त्रिपाठी द्वारा महाकुम्भ पर आधारित विशेष लघु नाटक का मंचन होगा। फिर स्थानीय स्तर के उच्च कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। शाम 7 बजे से बॉलीवुड नाईट में देश के जाने माने गायक जुबिन नौटियाल गीतों की प्रस्तुति देंगे।

इस बात की जानकारी कमिश्नर अनिल ढींगरा संग डीएम कृष्णा करुणेश संग अन्य अधिकारियों की टीम ने संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता कर दी। बताया कि प्रशासन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार इस स्तर पर अंजाम देने का प्रयास किया है, जिससे महोत्सव में आने वाले लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न हो।

यह आयोजन बेहतरीन पर्यटक स्थल रामगढ़ झील के पास स्थित चंपा देवी पार्क में आयोजित होगा। 11 जनवरी को टेलेन्ट हन्ट में कलाकारों द्वारा गायन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दोपहर 1 बजे से लोकरंग कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर के उच्च कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी जायेंगी। शाम 4रू30 बजे सुश्री वर्षा मिश्रा, प्रयागराज द्वारा कत्थक नृत्य की प्रस्तुति होगी। इसके बाद आशुतोष श्रीवास्तव द्वारा लोक गायन की प्रस्तुति दी जायेगी। शाम को ममता देवी, राजस्थान द्वारा लोक नृत्य चकरी की प्रस्तुति दी जायेगी। उपरोक्त के पश्चात जितेंद्र चौरसिया, बुन्देलखंड द्वारा आल्हा लोक गायन किया जाएगा।

राधा श्रीवास्तव, मुम्बई द्वारा भोजपुरी लोक गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। भोजपुरी नाईट के तहत रितेश पाण्डेय द्वारा भोजपुरी गायन की प्रस्तुति दी जायेगी। 12 जनवरी को गोरखपुर महोत्सव का समापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जायेगा। इस दौरान सम्मान समारोह, महोत्सव स्मारिका अभ्युदय का विमोचन सीएम योगी करेंगे। सुपर स्टार एवं सांसद रवि किशन शुक्ल काव्य पाठ एवं सुधीर व्यास, इन्दौर (म०प्र०) द्वारा भजन कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। शाम 7 बजे से सूफी नाईट में रिचा शर्मा सूफी गायन की प्रस्तुति देंगी। 13 जनवरी को महाकुम्भ के शुभारम्भ मौके पर ओमप्रकाश, मुम्बई एवं राष्ट्रीय स्तर के अन्य कलाकारों द्वारा भजन संध्या के अंतर्गत भजन गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। 10 जनवरी से 12 जनवरी तक रोजाना शाम के समय बाबा गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में विभिन्न नाट्यः थियेटर समूहों द्वारा भुंगी प्रेमचंन्द कृत निमंत्रण, हरिश्चन्द्र तारामती, वसीयत, एक था गधा ष्अहलदाद खानः महारथी, रावण अभी जिंदा हैः नाटक प्रस्तुत किए जायेंगे। 10 से 16 जनवरी तक चम्पादेवी पार्क में शिल्प प्रदर्शनी, कृषि प्रदर्शनी, उद्यान प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, मण्डलीय सरस मेला, पुस्तक मेला के साथ साथ विभिन्न सरकारी विभागों की प्रदर्शनी आयोजित की जायेगी, जिसके दृष्टिगत लगभग 250 स्टॉल चम्पा देवी पार्क में लगाये जायेंगे।

उक्त स्थल पर आगन्तुक पर्यटकों के खान–पान हेतु फूड स्टॉल भी लगेंगे।उद्यान विभाग द्वारा आधुनिक बागवानी से अवगत कराया जायेगा। शिल्प प्रदर्शनी में इस वर्ष, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, गुजरात, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, पंजाब सहित अन्य राज्यों से शिल्पियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है, प्रदेश के विभिन्न जनपदों से भी इस वर्ष शिल्पियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है, जिसमें सहारनपुर फर्नीचर, बनारसी साड़ी, खुर्जा पोट्टी, भदोही कालीन, लखनऊ चिकन आदि प्रमुख है। स्थानीय उत्पाद में टेराकोटा व रेडीमेड गारमेंट भी प्रदर्शित किया जायेगा, उक्त के साथ ही ओ०डी०ओ०पी० से सम्बन्धित स्टॉल भी महोत्सव में प्रदर्शित किये जायेंगे।

सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज क्षेत्र के नेतवर महावनखोर मार्ग पर बाइक की ठोकर से घायल भरवलिया निवासी संदीप सहानी की इलाज के दौरान एम्स में मौत हो गई। मृतक के पिता रमायन सहानी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज किया। कैंपियरगंज क्षेत्र के भरवलिया निवासी संदीप सहानी अपने चचेरे भाई आलोक कुमार के साथ बाइक पर पीछे बैठकर पीपीगंज जा रहा था। नेतवर महावनखोर मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से ठोकर मार दिया था, जिससे पीछे बैठा संदीप सहानी गंभीर रूप से घायल हो गया था। राहगीरों के सहयोग से एम्बुलेंस से सीएचसी कैंपियरगंज लगाया गया था। जहां से चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था। मेडिकल कालेज में डाक्टरों ने गोरखपुर एम्स रेफर कर दिया था। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटा,केस दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। दहेज की मांग पूरी न करने पर विवाहिता को पीटने का मामला सामने आया है। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के भेउसा गांव निवासी हरिश्चंद जायसवाल की बेटी सुनीता की शादी फरवरी 2024 में हुमायूंपुर मोहल्ले में राहुल जायसवाल के साथ हुई थी। पीड़ित पिता हरिश्चंद जायसवाल ने हरपुर बुदहट थाने पर प्रार्थना पत्र देकर बताया कि शादी के बाद से ही बेटी के ससुराल वाले कम दहेज का ताना देकर बेटी को प्रताड़ित करने लगे और तीन अक्तूबर 2024 को ससुराल से मारपीटकर निकाल दिए। बोले कि अपने पिता से दहेज में 10 लाख रूपये लेकर आओ तब ससुराल में रखेंगे। हरपुर बुदहट पुलिस ने सोमवार को विवाहिता के पति राहुल जायसवाल, सास आशा देवी और ननद प्रियंका निवासी हुमायूंपुर उत्तरी (कटेहरी बाग) गोरखपुर पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रसीद काट 11230 रुपए की हुई वसूली

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर नगर पालिका प्रशासन की ओर बकाया भवन का स्व निर्धारित कर की वसूली करने का वार्ड वार शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें नागरिकों की समस्याओं का निस्तारण करके वसूली भी की जा रही है। इसी कड़ी में मंगलवार को दूसरे दिन अहरिया वार्ड में बकाया वसूली शिविर का आयोजन किया गया। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह के निर्देशन, लेखाकार ओंकार नाथ तिवारी के संयोजन में और मोहम्मद इसराइल के अगुवाई में शिविर का आयोजन हुआ।

शिविर का मोहल्ले के निवासियों ने भरपूर लाभ उठाया। शिविर में 43 की रसीद काटकर भवन कर और जल मूल्य के 11230 रुपए की वसूली की गई।

राम मंदिर में हाई–टेक चश्मे से तस्वीरें लेने की कोशिश, गुजरात का युवक हिरासत में

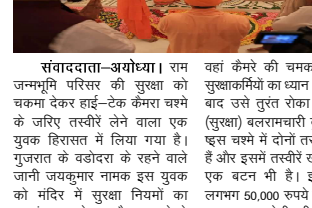

संवाददाता–अयोध्या। राम जन्मभूमि परिसर की सुरक्षा को चकमा देकर हाई–टेक कैमरा चश्मे के जरिए तस्वीरें लेने वाला एक युवक हिरासत में लिया गया है। गुजरात के वडोदरा के रहने वाले जानी जयकुमार नामक इस युवक को मंदिर में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए कैमरा चश्मे से तस्वीरें खींचते हुए पकड़ा गया।आरोपी युवक ने सुरक्षा चौकियों को पार करते हुए मंदिर के सिंहद्वार तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। वहां कैमरे की चमकती लाइट ने सुरक्षाकर्मियों का ध्यान खींचा, जिसके बाद उसे तुरंत रोका गया। एसपी (सुरक्षा) बलरामचारी दुबे ने बताया कि वाचर की सक्रियता से युवक को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक पूछताछ में उसका कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। युवक बड़ोदरा का व्यापारी है। चश्मे की कीमत 50 हजार बताई जा रही है। एसएसएफ के वाचर अनुराग बाजपेयी को पुरस्कृत किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, मंदिर परिसर में सुरक्षा के चलते तस्वीरें और वीडियो लेने पर सख्त पाबंदी है। बावजूद इसके, आरोपी ने हाई–टेक उपकरण का इस्तेमाल कर नियम तोड़ा।अब सवाल यह उठता है कि युवक आखिरकार इतनी हाई–टेक योजना बनाकर मंदिर की तस्वीरें क्यों खींच रहा था? पुलिस ने बताया कि युवक एक व्यवसायी है और उससे गहन पूछताछ जारी है।एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने बताया कि वाचर की सक्रियता से युवक को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। उससे पूछताछ की जा रही है। अभी तक पूछताछ में उसका कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। युवक बड़ोदरा का व्यापारी है। चश्मे की कीमत 50 हजार बताई जा रही है। एसएसएफ के वाचर अनुराग बाजपेयी को पुरस्कृत किया जाएगा।

बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल आज

संवाददाता–गोरखपुर। जिला बैडमिंटन संघ और क्षेत्रीय खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्व. पीपी ओझा मेमोरियल बैडमिंटन प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला और पुरस्कार वितरण समारोह आठ जनवरी को शाम 4:30 बजे से रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सीडीओ संजय कुमार मीणा होंगे। इसका आयोजन 27 दिसंबर 2024 को होना था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद संख्या 226/2024

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

विजय कुमार

बनाम

बैजनाथ

1. बैजनाथ पुत्र प्रेमचन्द्र साकिन कुशंकर उर्फ उर्दहवा पो0 व तहसील खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर 2. हरिद्वार पुत्र रामताड़क साकिन झरकटा त0 गोला जनपद गोरखपुर 3. केसर पुत्र जगदीश साकिन व पो0 ढखवा बाजार तहसील हरनही जनपद–गोरखपुर

तारीख पेशी 18.02.2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **18.02.2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0– 534/2024

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामनरायन

बनाम

समुन्दरा आदि

1. नवनीत वर्मा उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र सियाराम 2. ओंकार उम्र लगभग 55 वर्ष 3. ओम प्रकाश उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्रगण सुदामा निवासीगण ग्राम बहेरिया तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर पोस्ट वाल्टरगंज जिला बस्ती 272182

तारीख पेशी 18–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सिविल निगरानी सं0–12/2024

अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अलीमुल्लाह

बनाम

तुफैल अहमद आदि

1. तुफैल अहमद 2. जमील अहमद 3. रसूल अहमद 4. इरसाद अहमद वालिगान पुत्रगण स्व0 जमीउल्लाह साकिनान मुडेहरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर पो0 सेमरी

–रेस्पान्डेन्ट प्रथम वर्ग

5. वाजिद अली पुत्र स्व0 हयात मोहम्मद उम्र लगभग 7 वर्ष साकिन मुडेहरा तप्पा घोसियारी परगना मगहर पश्चिम तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर पो0 सेमरी

–रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 22–01–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 01 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 26 माह 12 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com